BUDHA DAL PUBLIC SCHOOL, SAMANA

LESSON PLAN Term-I

CLASS - IX

SUBJECT - Hindi

Name of Teacher: Ms. Gitanjali

पुस्तक	स्पर्श भाग–1
उपविषय	कहानी
प्रकरण	दु:ख का अधिकार
शिक्षण उद्देश्य	1. समाज के सभी वर्गो के प्रति संवेदनशील बनाना। 2. सामाजिक व आर्थिक असमानता से परिचित करवान। 3. आम आदमी के अनुभवों से परिचित कराना।
पूर्व परीक्षण	छात्रों से निम्नलिखत प्रश्न पूछे जाएँगे। 1. जीवन के दो पहिए कौन से है? 2. क्या निम्न श्रेणी के लोगे को दुख नही होता? 3. क्या आप किसी गरीब के दुख में शामिल हुए है?
शब्द प्रारूप	सामासिक शब्दावली का प्रयोग, शब्द –युग्मों और शब्द समूहों का प्रयोग।
वर्तनी	कठिन शब्द और उनके अर्थ पोशाक (पहनावा) व्यथा (पीडा) बावली (पगली)
संसाधन	पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर इत्यादि।
कार्यप्रणाली	शिक्षक द्वारा पाठ पढाया जायेगा। उसमें आने वाले कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए पाठ की व्याख्या की जाएगी।
सह–शैक्षणिक गतिविधियाँ	छात्रों को दो वर्गो में बॉट कर सर्व धर्म समभाव विषय पर चर्चा करवाई जाएगी। छात्रों में सभी धमों के प्रति सम्मान की भावना उत्पन्न होगी। उनमें आपसी भाईचारा स्थपित होगा।
ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण	पाठ के माध्यम से छात्रों को कला के साथ इतिहास के क्षेत्र से भी जोडा जाएगा।

सहभागिताः–	पठन शैली के माध्यम से छात्र पाठ के विषय को समझेगे। उसमें निहित भावों को हदय में उतारेंगे और अपनी जिज्ञासाओं का निराकरण करेंगे।
पुनरावृत्ति	इसके लिए कुछ प्रश्न पूछे जाएगे। 1. मनुष्य को पोशाक क्या काम? 2. पोशाक बंद दरवाजे कैसे खोल देती है? 3. पोशाक की तुलना किससे की गई है?
सीखने के प्रतिफल	छात्र पाठ में निहित विषय को समझेगे। सामाजिक और आर्थिक असामनता से परिचित होंगे। संवेदपशील बनेगे।
मूल्यांकन	मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।
प्रकरण	उपसर्ग प्रत्यय, अनुस्वार, अनुनासिक
शिक्षण उद्देश्य	1. उपसर्ग–प्रत्यय से बनने वाले शब्दों से परिचित कराना। 2. अनुस्वार, अनुनासिक चिह्नों की जानकारी देना। 3. भाषा में पकड मजबूत करना।
पूर्व परीक्षण	निम्नलिखित प्रश्न पूछ कर छात्रों का ज्ञान परीक्षण किया जाएगा– 1. बिंदी और चंद्रबिंदु कौन से चिह्न है? 2. उपसर्ग किसे कहते है? 3. वे शब्दांश जो शब्द के पीछे लगकर उसके अर्थ में परिवर्तन करते है उन्हे क्या कहते है?
संसाधन	व्याकरण पुस्तका, श्यामपटट, चॉक, डस्टर इत्यादि।
कार्य प्रणाली	उपसर्ग और उसके भेदों की चर्चा की जाएगी बीच–बीच में उदाहरण देते हुए विषय की व्याख्या की जायेगी। अनुस्वार, अनुनासिक चिह्नों की जानकारी दी जाऐगी।
सह– शैक्षणिक गतिविधियाँ	चार्ट के माध्यम से बच्चों को उपसर्ग प्रत्यय के भेदों से परिचित करवाया जायेगा। छात्रों को नए नए शब्द बनाने के लिए दिए जाएँगे और विभिन्न शब्दों पर अनुस्वार, अनुनासिक

	का चिह्न लगाने के लिए कहा जायेगा। इससे वे विषय को अच्छे से समझेगे।
ज्ञान के क्षेत्रों के साथ एकीकरण	छात्रों को अंग्रजी के साथ कला के क्षेत्र से भी जोडा जायेगा
छात्र सहभागिता	अभ्यास करते हुए छात्र अपनी रचनात्मकता का विकास करेंगे। अपनी तरफ से उदाहरण देते हुए उनमें सोचने और विचार करने की शक्ति पैदा होगी।
पुनरावृति	1. शब्द के आगे लगन वाले शब्दांश को क्या कहते है? 2. उपसर्ग प्रत्यय में क्या अंतर है? 3. अनुस्वार किसे कहते है?
सीखने का प्रतिफल	छात्र उपसर्ग प्रत्यय और अनुस्वार अनुनासिक चिह्न को समझेगे अतः नए नए शब्दों का निर्माण करने में सक्षम होंगे।
मूल्याकंन	मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।
प्रकरण	रैदास
शिक्षण उददेश्य	1. कविता के प्रति रूचि पैदा करना। 2. नैतिक मूल्यों का विकास कतना। 3. आध्यात्मिक मूल्यों का विकास करना।
पूर्व परीक्षण	छात्रों से निम्पलिखित प्रश्न पूछे जायेगे। 1. आपने कौन–कौन से कवियों की रचनाएँ पढी है? 2. रैदास कौन थे? 3. रैदास किस काल में हुए?
शब्द प्रारूप	तुकांत शब्दों का प्रयोग
सहायक सामग्री	श्यामपट्ट, पुस्तिका, चॉक, डस्टर, चार्ट, स्मार्ट–बोर्ड, वीडीयो–लिंक इत्यादि।
कार्य प्रणाली	शिक्षक द्वारा कविता का सस्वर गायन करवाया जाएगा। छात्र उसका अनुगमन करेंगे। कविता में आने वाले कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए पाठ की व्याख्या की जाएगी।
सह शैक्षणिक	छात्रों का समूहों में विभाजित करके प्रत्येक समूह से अपनी

गतिविधियाँ	विधि द्वारा पद (कविता) प्रस्तुत करने के लिए कहा जायेगा। इससे उनमे आत्मबल बढेगा तथा कविता के भावों को आत्मसात करेंगे।
ज्ञान के क्षेत्रों के साथ एकीकरण	कविता पद को गाकर प्रस्तुत करके संगीत कला के क्षेत्र के साथ जोडा जाएगा। इससे अतिरिक्त कला, इतिहास आदि से भी जोडा जाएगा।
छात्र सहभागिता	छात्र कविता के उच्चारण एवं पठन शैली का ध्यानपूर्वक सुनेगे। कविता के भावों को हृदय में उतारेगे। कविता के भावो को हृदय में उतारेगे तथा अपनी जिज्ञासाओं का बिराकारण करेंगे।
पुनरावृति	इसके लिए कुछ प्रश्न किए जायेगे 1. कवि ने ईश्वर को गरीब निवाजु क्यों कहा है? 2. प्रभु रैदास पर क्यों द्रक्ति हुए? 3. रैदास के स्वामी कौन है?
सीखने के प्रतिफल	छात्र कविता के भावों तथा उसमें निहित उद्देश्य को आत्मसात करेंगे और छात्रों में भक्ति भाव उत्पन्न होगा।
मूल्यांकन	मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।
प्रकरण	एवरेस्ट मेरी शिखर यात्रा
शिक्षण उददेश्य	1. आत्मिक बल की महत्ता से परिचित कराना। 2. पर्यटन के लिए प्रोत्साहित करना। 3. पर्वतरोहियों के जीवप से परिचित कराना।
पूर्व परीक्षण	छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछे जाएगे। 1. एवरेस्ट कर उँचाई कितनी है? 2. भारत की पहली पर्वतारोही कौन है? 3. एवरेस्ट पर जाने वाला पहला पर्वतारोही कौन है?
शब्द प्रारूप	सामाजिक शब्दावली का प्रयोग किया गया है।
वर्तनी	कठिन शब्द और उनके अर्थ पिंड (टुकडा) सूरक्षा (रक्षा), शंकु (नोक) अर्चना (पूजा)

संसाधन	पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक
कार्य प्रणाली	शिक्षक द्वारा पठन कार्य करवाया जायेगा। छात्र विषय को समझेगे। पाठ में आने वाले कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए पाठ की व्याख्या की जायेगी।
सह–शैक्षाणिक गतिविधियाँ	छात्रों को पर्वतारोहियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए कहा जाएगे। इससे उनमें आत्मिक बल बढेगा। और सहभागिता की प्रवृति का विकास होगा।
ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण	पाठ में निहित को समझते हुए छात्र कला के साथ अपने इतिहास से भी जुडेगे।
सहभगिता	पठन शैली के माध्यम से छात्र वाठ के विषय को समझेगे। उसमें निहित भावों को हद्य में उतारेगे और अपनी जिज्ञासाओं का निराकरण करेंगे।
पुनरावृति	इसके लिए कुछ प्रश्न पूछे जायंगे। 1. हिमपात किसे कहते है? 2. ग्लेशियर किसे कहते है? 3. बर्फ का फूल किस प्रकार बनता है?
सीखने का प्रतिफल	छात्र पाठ में निहित विषय और उसके उद्देश्य कसे आत्मसात करेंगे। पर्वतारोहियों के बारे में जानकारी लेते हुए उनकी जीवन शैली व अनुभव से परिचित होंगे। इससे उनका आत्मिक बल बढेगा।
मूल्यांकन	मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।
प्रकरण	गिल्लू
शिक्षण उददेश्य	1. पशु – पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता पैदा करना। 2. उनके प्रति प्रेम, आत्मीयता के भाव उत्पन्न करना। 3. सहानुभूति के भाव जगाना
पूर्व परीक्षण	छात्रों से निमनलिखित प्रश्न पूछकर उनका ज्ञान परीक्षण किया जाएगा– 1. क्या किसी जानवर को आपने बचाया है?

	2. जीवों के प्रति आपका कैसा व्यवहार है? 3. कौए को अनादरित प्राणी क्यों कहते है?
वर्तनी	कठिन शब्द और उनके अर्थ
संसाधन	पाठ्य पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक,डस्टर इत्यादि।
कार्य प्रणाली	शिक्षक द्वारा पठन कार्य करवाया जायेगा। छात्र विषय को समझेगे। पाठ में आने वाले कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए पाठ की व्याख्या की जायेगी।
सह–शैक्षाणिक गतिविधियाँ	संधि के भेदो को अलग–अलग छात्रों के समूह में विभाजित करके अपने–अपने विषय को समझने के लिए कहा जाएगा। इससे उनकी दोहराई हो जाएगी और वे विषय को अच्छे से समझ सकेंगे।
ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण	पाठ के माध्यम से छात्रों के कला के साथ प्रकृति के क्षेत्र से भी जोडा जायेगा।
सहभगिता	छात्र पठन शैली के माध्यम से पाठ को ध्यानपूर्वक समझेगे। विषय में निहित भावों को हृदय में उतारेगे और अपनी जिज्ञासाओ का निराकरण करेंगे।
पुनरावृति	इसके लिए कुछ प्रश्न किए जायेगे 1. पशुओं में भी सवेदनाएँ होती है? 2. क्या पशु मानव प्रेम को पहचानते है?
सीखने का प्रतिफल	छात्र वाठ में निहित उद्देश्य को आत्मसात करेंगे। जिससे उनमे पशु पक्षियों के प्रति प्रेम भाव उत्पन्न होगा और उन्हे सामाजिक उत्तरदायित्वों का भी आभास होगा।
मूल्यांकन	मौखिक तथा लिखित रूप से छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।
प्रकरण	संधि
शिक्षण उददेश्य	1. छात्रों में रचनात्मकता जागत करना। 2. पाठ में दिए विशेष बिन्दुओं पर विशेष रूप से बल देना। 3. संधि और उसके भेदो से परिचित कराना।
पूर्व परीक्षण	छात्रों से निमनलिखित प्रश्न पूछकर उनका ज्ञान परीक्षण

	किया जाएगा– 1. वर्ण किसे कहते है? 2. दो वर्णो के पारसपरिक मेल से उनमें जो विकार होता है उसे क्या कहते है? 3. संधि के कितने भेद है?
संसाधन	पाठ्य पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक,डस्टर इत्यादि।
कार्य प्रणाली	संधि की परिभाषा बताते हुए उसके भेदों की चर्चा की जाएगी। बीच–बीच में उदाहरण देते हुए विषय की व्याख्या की जाएगी।
सह–शैक्षाणिक गतिविधियाँ	संघि के भेदो को अलग–अलग छात्रों के समूह में विभाजित करके अपने–अपने विषय को समझने के लिए कहा जाएगा। इससे उनकी दोहराई हो जाएगी और वे विषय को अच्छे से समझ सकेंगे।
ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण	अंग्रजी के साथ कला के क्षेत्र से भी जोडा जाएगा।
सहभगिता	छात्र स्वर संघि के भेदों के नाम उदाहरण सहित चार्ट पर लिखकर कक्षा में लगाएगें। वर्ग–पहेली मे स्वर संधि के उदाहरणों को पहचान कर संधि विच्छेद करेंगे तथा उसका भेद लिखेगे।
पुनरावृति	1. वर्णो के परस्पर मेल से जो परिवर्तन होता है उसे क्या कहते है। 2. दो स्वरों के मेल को क्या कहते है?
सीखने का प्रतिफल	छात्र संघि और उसके भेदों को अच्छी तरह समझेंगे तथा संघिच्छेद करने में सक्षम होगें।
मूल्यांकन	मौखिक तथा लिखित रूप से छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।
प्रकरण	रहीम
शिक्षण उद्देश्य	1. आत्मिक गुणों का विकास

	2. चिंतन प्रवृति का विकास 3. वाचन क्षमता का विकास
पूर्व परीक्षन	छात्रों से निम्न लिखित प्रश्न पूछे जायगे। 1. रहीम किस काल में हुए थे? 2. किस भाषा में रहीम ने रचना की है? 3. रहीम के दोहों में किन विषयों को उठाया है?
शब्द प्रारूप	संस्कृत निष्ठ भाषा का प्रयोग
वर्तनी	कठिन शब्द और उनके अर्थ – निज (अपना) बिथा (दुख) गोय छिपाकर लेहै (लेंगे)
संसाधन	पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक,डस्टर इत्यादि।
कार्य प्रणाली	शिक्षक द्वारा कविता का सस्वर गायन किया जाएगा छात्र उसका अनुगमन करेंगे। कठिन शब्दों के अर्थ तथा कविता की व्याख्या की जाएगी।
सह शैक्षाणिक गतिविधियाँ	छात्रों को समूहो में विभाजित करके दोहो का उच्चारण करने के लिए कहा जाएगा। इससे आत्मबल बढेगा तथा कविता के भावों को आत्मसात करेंगें।
ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण	दोहों को गाकर प्रस्तुत करके संगीत कला के साथ जोडा जाएगा।
छात्र सहभागिता	छात्र दोहो के उच्चारण एवं पठन शैली को ध्यानपूर्वक सुनेगे। दोहो में निहित भावों को हृदय में उतारेगे तथा अपनी जिज्ञासाओ का निराकरण करेंगे।
पुनरावृत्ति	इसके लिए कुछ प्रश्न पूछे जाएँगे। 1. रहीम किस व्यक्ति को पशु से भी तुच्छ मानते थे? 2. विपत्ति में हमारा कौन सहायक बनता है? 3. निज संपत्ति क्यों आवश्यक है?
सीखने के प्रतिफल	छात्र दोहो के भावों तथा उसमें निहित उद्देश्य को आत्मसात करेंगे। इससे उन्हे मानवीय प्रवृत्यिों की पहचान होगी और साथ ही आत्मिक गुणों का विकास होगा।

मूल्यांकन	मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।
प्रकरण	धूल
शिक्षण उददेश्य	1. प्रकृति के तत्वों के प्रति जागरूक करना। 2. मिट्टी के संसगों का अनुभव कराना। 3. मिट्टी की उपयोगिता व महत्व से परिचिम कराना।
पूर्व परीक्षण	छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछे जायेगे। 1. मिट्टी का हमारे जीवन में क्या महत्व है? 2. गोधूलि से आप क्या समझते है? 3. हमारी सभ्यता धूल से क्यों बचना चाहती है?
शब्द प्रारूप	अलंकार, खडी बोली एवं संस्कृत निष्ठभाषा का प्रयोग
वर्तनी	कठिन शब्द और उनके अर्थ गर्द (गंदी धूल) अमराई (आम का बगीचा) असारता (वयर्थता)
संसाधन	पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक,डस्टर इत्यादि।
कार्य प्रणाली	शिक्षक द्वारा पाठ पढाया जायेगा। छात्र विषय को ध्यानपुर्वक समझेगे। पाठ में आने वाले कठिन शब्दों की बीच–बीच में उदाहरण देते हुए विषय की व्याख्या की जाएगी।
सह शैक्षिण गतिविधियाँ	छात्रों को मिट्टी में बीजारोपण करने के लिए कहा जायेगा। इस प्रकार छात्र स्वयं कार्य करना सीखेगे और मिट्टी के महत्व को समझेंगे।
ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण	पाठ के माध्यम से छात्र ग्रामीण संस्कृति से जुडेगे इस प्रकार छात्रों के इतिहास और कला से जोडा जायेगा।
छात्र सहभागिता	छात्र पठन शैली द्वारा पाठ को ध्यानपूर्वक सुनेगे। अपनी जिज्ञासाओं का निराकरण करेंगे और संवेदनशील बनेगे।
पुनरावृत्ति	इसके लिए कुछ प्रश्न पूछे जायेंगे। 1. धूल किस प्रकार श्रंगार बनती है? 2. अखाडे की मिट्टी की क्या विशेषता है?

सीखने का प्रतिफल	छात्र पाठ में निहित विषय और उसके उद्देश्य को समझेगे। वे ग्रामीण संस्कृति से जुडेगे और उनमें देशभक्ति की भावना उत्पन्न होगी।
मूल्यांकन	मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।
प्रकरण	तुम कब जाओगे अतिथि
शिक्षण उद्देश्य	1. भारतीय संस्कृति में अतिथि के विषय में अवधाराणा से परिचित करवाना। 2. शब्द भंडार में वृद्धि करना। 3. कल्पनाशीलता का विकास करना।
पूर्व परीक्षण	छात्रों को निम्नलिखित प्रश्न पूछे जायेंगे। 1. अच्छा अतिथि कौन होता है? 2. मेहमान भगवान कब होता है? 3. मेहमान कैसा होना चाहिए?
कार्य प्रणाली	शिक्षक द्वारा पाठ पढाया जाएगा। छात्र ध्यानपूर्वक सुनते हुए पाठ को समझेंगे। कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए पाठ की व्याख्या की जाएगी।
वर्तनी	कठिन शब्द और उसके अर्थ– अंकित (छाप) आगमन (आना) घुमड (घूम)
संसाधन	कार्य पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक,डस्टर , चित्र वर्णन इत्यादि।
सह शैक्षणिक गतिविधियाँ	छात्रों से इस पाठ का नाट्य मंचन करवाये जाएगे। इससे छात्र संवाद शैली सीखेगे, अभिनय क्षमता का विकास होगा तथा आत्मविश्वास का संचार होगा।
ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण	पाठ के माध्यम से छात्रों को कला के इतिहास के क्षेत्र से भी जोडा जाएगा।
छात्र सहभागीता	पठन शैली के माध्यम से छात्र पाठ को ध्यानपूर्वक सुनेगे। उसमें निहित भावों को हृदय में उतारगें और अपनी जिज्ञासाओ का निराकरण करेंगे।
पुनरावृति	इसके लिए कुछ प्रश्न पूछे जायेगे।

	1. लेखक ने मेहमान का स्वागत किस प्रकार किया? 2. अपने घर को स्वीटहोम क्यों कहा जाता है?
सीखने के प्रतिफल	छात्र पाठ में निहित भावों और उसके उद्देश्य को आत्मसात करेंगे। इससे उनमें कल्पनाशीलता का विकास होगा।
मूल्यांकन	मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।
प्रकरण	गीत–अगीत
शिक्षण उद्देश्य	1. कविता के प्रति रूचि पैदा करना। 2. प्रकृति के प्रति प्रेम उत्पन्न करना। 3. सभी जीवों के प्रति आत्मीयता का भाव उत्पन्न करना।
पूर्व परीक्षण	छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछे जाएगे। 1. क्या आपको सभी जीवों से प्यार है? 2. क्या प्रकृति के सौन्दर्य को कभी महसूस किया है? 3. प्रकृति से संबंधित कोई कविता आती है?
वर्तनी	कठिन शब्द और उनके अर्थ
संसाधन	कार्य पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक,डस्टर , चित्र वर्णन इत्यादि।
कार्य प्रणाली	शिक्षक द्वारा पाठ पढाया जाएगा। छात्र ध्यानपूर्वक सुनते हुए पाठ को समझेंगे। कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए पाठ की व्याख्या की जाएगी।
सहशैक्षणिक गतिविधियाँ	छात्रों को समूहो में विभाजित करके प्रत्येक समूहो से अपनी विधि द्वारा कविता का उच्चारण करने के लिए कहा जाएगा। इससे आत्मबल बढेगा तथा कविता के भावों को आत्मसात करेंगें।
ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण	कविता को गाकर प्रस्तुत करके संगीत कला के क्षेत्र के साथ जोडा जायेगा। इसके अतिरिक्त कला, प्रकृति आदि से जोडा जायेगा।
छात्र सहभागीता	छात्र कविता के उच्चारण एवं पठन शैली को ध्यानपूर्वक सुनेगे। कविता के भावों को हृदय में उतारेगे तथा अपनी

	जिज्ञासाओं का निराकरण करेंगे।
पुनरावृति	इसके कुछ प्रश्न पूछे जाएगे। 1. गीत–अगीत के रचनाकार कौन है? 2. गीत–अगीत कविता का मूलभाव क्या है?
सीखने के प्रतिफल	छात्र पाठ में निहित भावों और उसके उद्देश्य को आत्मसात करेंगे। इससे उनमें प्रकृति के प्रति प्रेम उत्पन्न होगा।
मूल्यांकन	मौखिक एवं लिखित प्रतिक्रिया, समूह वार्ता एवं गृहकार्य द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।
प्रकरण	स्मृति
शिक्षण उददेश्य	1. आटू विश्लेषण की प्रेरणा देना। 2. स्मरण शक्ति का विकास करना। 3. आत्मविश्वास का विकास करना।
पूर्व परीक्षण	छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछे जाएंगे। 1. सामानतः बच्चे कैसे होते है? 2. प्रायः बच्चे कैसी शरारते करते है? 3. क्या आपने किसी जानवर को सताया है?
वर्तनी	कठिन शब्द और उसके अर्थ झुरे (तोडे) सजीव (जीवित) बूते (बल)
संसाधन	कार्य पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक,डस्टर , चित्र वर्णन इत्यादि।
कार्य प्रणाली	शिक्षक द्वारा पाठ पढाया जाएगा। छात्र ध्यानपूर्वक सुनते हुए पाठ को समझेंगे। कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए पाठ की व्याख्या की जाएगी।
सह शैक्षणीक गतिविधियाँ	छात्रों के दो वर्गो में बॉटकर दंड का प्रावधान उचित है विषय पर वाद–विवाद करवाया जायेगा । इससे छात्रों में सहभागिता बढेगी। तर्किकता बढेगी।
अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण	पाठ के माध्यम से कला के साथ मनोविज्ञान के क्षेत्र के साथ छात्रों को जोडा जायेगा।
सहभागिता	वाठ को पठन शैला में करवाया जायेगा। इससे छात्र पाठ को ध्यानपूर्वक सुनेगे उसमें निहित भावों को समझेगे और

	अपनी जिज्ञासाओं का निराकरण करेगे।
सीखने के प्रतिफल	छात्र पाठ में निहित भावों और उसके उद्देश्य को आत्मसात करेंगे। इससे उनमें मनोभावों का विश्लेषन और कल्पनाशीलता का विकास होगा।
पुनरावृत्ति	इसके लिउ कुछ प्रश्न पूछे जायेगे। 1. क्या फल किसी दूसरी शक्ति पर निर्भर होता है? 2. बच्चे किस प्रकार की शरारतों में आनंद लेते है?
मूल्यांकन	मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।
प्रकरण	अनुच्छेद
शिक्षण उददेश्य	1. छात्रों की रचनात्मक शक्ति का विकास करना। 2. शब्द ज्ञान में वृद्धि करना। 3. कल्पना शक्ति का विकास करना। 4. भाषाई कौशल का विकास करना।
पूर्व परीक्षण	छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछे जाएंगे। 1. अनुच्छेद शब्द का अर्थ क्या है? 2. अनुच्छेद और निबंध में क्या अंतर है?
पद्वति	करो और सीखों पद्वति द्वारा छात्रों को अलग–अलग विषयों पर अनुच्छेद लिखने को कहा जाएगा।
संसाधन	कार्य पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक,डस्टर , चित्र वर्णन इत्यादि।
कार्य प्रणाली	छात्रों को समझाया जाएगा कि अनुच्छेद निबन्ध से भिन्न होता है। इसे लिखते समय भूमिका बांधने और निष्कर्ष देने की आवश्यकता नही है। अतः यह ध्यान रखना चाहिए कि अनुच्छेद में अनावश्यक प्रसंग न हो
सह शैक्षणीक गतिविधियाँ	कुछ विषयों को लेकर कक्षा में चर्चा की जाएगी। उसके बाद छात्र उसी चर्चा को एक अनुच्छेद का रूप देंगे। जैसे त्योहारों का जीवन में महत्तव।
अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण	विज्ञान से जुडे हुए अनुच्छेद लेखन से छात्र विज्ञान के साथ जुडेंगे। राष्टीय एकता रक्तदान का महत्तव आदि जैसे

	विषयों पर अनुच्छेद लिखकर वे नागरिक शास्त्र से जुडेगे।
सहभागिता	छात्र कुछ अध्यापक द्वारा दिए गए और कुछ अपनी मनपसंद विषयों पर पहले मौखिक रूप में अपने विचार प्रक्ट करेंगे। उसके बाद किसी एक को अनुच्छेद के रूप में लिखने का प्रयास करेंगे।
सीखने के प्रतिफल	छात्र अनुच्छेद लिखना सीख जाएंगे।
पुनरावृत्ति	अनुच्छेद की भाषा कैसी होनी चाहिए? क्या अनुच्छेद लेखन करी कोई शब्द सीमा होती है?
मूल्यांकन	मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।
प्रकरण	पत्र
शिक्षण उददेश्य	1. छात्रो मे शब्द–भण्डार वृद्धि करना 2. मातृ भाषा और उसके साहित्य के प्रति रूचि जागृत करना 3. पत्र में अपनी बात को विषयानुसार प्रयोग के साथ संक्षेप में लिखने की योग्यता का विकास करना।
पूर्व परीक्षण	छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछे जाएंगे। 1. क्या आप जानते है पुराने जमाने में संदेश भेजने की कौन–कौन सी विधियाँ थी? 2. आप किसी को संदेश किस प्रकार भेजते है? 3. आपने किसी को पत्र लिखा है?
कार्य प्रणाली	छात्रो को पत्र लेखन का महत्तव समझाया जाएगा कि चाहे इंटरनेट के युग में एक सीमा तक पत्रों का चलन कम हुआ किन्तु आज भी समाज के सभी वर्गो के लिए लोग पत्र व्यवहार करते है। पत्र लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, उनकी जानकारी छात्रों को प्रदान की जाएगी।
सह शैक्षणीक	छात्रो को डाकघर की विभिन्न प्रकियाओं को जानने के लिए

गतिविधियाँ	प्रोत्साहित किया जाएगा। जिसके लिए वे उसकी वेबसाईट से या दफतर में जाकर अनुभव प्राप्त कर सके।
अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण	भाषा विस्तार के साथ–साथ सामाजिक शास्त्र, भूगोलख इतिहास मनोविज्ञान आदि कई विषयों के साथ तारत्तप स्थापित किया जाएगा।
सहभागिता	छात्र औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप के बारे में जानते तथा लिखित अभ्यास द्वारा अपनी का निराकरण करेंगे।
पुनरावृत्ति	इसके लिए कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे 1. पत्र के कितने प्रकार है? 2. औपचारिक पत्र कौन से होते है?
सीखने के प्रत्फिल	छात्र पत्र लेखक के द्वारा भाषा के विभिन्न पहुलओं के बारे में सीखगे जैसे सरलता, स्पष्टता, संक्षिप्तता, मौलिकता एवं उद्देश्यपूर्णता आदि।
मूल्यांकन	मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।
प्रकरण	अग्निपथ
शिक्षण उददेश्य	1. सामर्थ्य व क्षमता से परिचित कराना। 2. जुझारू (सफल) प्रवृत्ति का विकास 3. नैतिक मूल्यों से परिचित कराना।
पूर्व परीक्षण	इसके लिए कुछ प्रश्व पूछे जाएगे 1. आप ने कौन–कौन से कवियों की रचनाएँ पढी है? 2. क्या आपको कविता अच्छी लगती है? 3. आप को कौन सी कविता आती है?
संसाधन	व्याकरण, पुस्तक, श्यामपट्ट
कार्य प्रणाली	शिक्षक द्वारा कविता का सस्वर गायन किया जाएगा। छात्र ध्यानपूर्वक उसका अनुगामन करेंगे। कवता में आने वाले कठिन शब्दों के अर्थ बताते हुए कविता की व्याख्या की जाएगी।

सहशैक्षणीक गतिविधियाँ	छात्रों को समूहों में विभाजित करके प्रत्येक समूह से अपनी विधि द्वारा कविता प्रस्तुत करने के लिए कहा जायेगा। इससे उनमें आत्मबल बढेगा तथा कविता के भावों को आतमसात करेंगे।
अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण	कविता को गाकर प्रस्तुत करके संगीत कला के क्षेत्र के साथ जोडा जायेगा। इसके अतिरिक्त कला, प्रकृति आदि से जोडा जायेगा।
सहभागिता	छात्र कविता के उच्चारण एवं पठन शैली को ध्यानपूर्वक सुनेगे। कविता के भावों को हृदय में उतारेगे तथा अपनी जिज्ञासाओ का निराकरण करेंगे।
पुनरावृत्ति	इसके लिए कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे– 1. अग्निपथ से क्या अभिप्राय है? 2. जीवन सफल बनाने के लिए क्या जरूरी है? 3. जीवन की कठिनाइयों ये हमें क्या सीख मिलती है?
सीखने के प्रत्फिल	छात्र कविता के भावों तथा उसमें निहित उद्देश्य को आत्मसात करेगे इससे उनमे आत्मविश्वास तथा आत्मबल बढेगा।
मूल्यांकन	मौखिक एवं लिखित प्रतिक्रिया, गृहकार्य द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।
प्रकरण	वाक्य भेद
शिक्षण उददेश्य	1. पाठ में दिए गए विशेष बिंदुओ पर विशेष रूप से बल देना 2. वाक्य बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए अथवा उनमें कौन से गुण चाहिए इस विषय को समझाना। 3. रचनात्मकता जाग्रत करना?
पूर्व परीक्षण	छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछे जायेगे। 1. वाक्य कैसे बनता है? 2. क्या शब्दों के मेल को वाक्य कहा जाता है? 3. कया वाक्य में पद क्रम का होना जरूरी है?
संसाधन	श्यामपट्ट, चॉक, कुछ अखबार

कार्य प्रणाली	वाक्य की परिभाषा देते हुए पाठ समझाया जायेगा बीच–बीच में संबंधित उदाहरण देते हुए विषय की वयाखया की जायेगी। अर्थ के आधार पर आठ भेद है बताया और समझाया जायेगा।
सहशैक्षणीक गतिविधियाँ	वाक्य के भेदों को छात्रों में बॉट दिया जायेगा और उन्हे अपने विषय को समझाने के लिए कहा जायेगा। इससे उनकी दोहराई हो जायेगी और वे विषय को अच्छी तरह से समझ सकेगे।
अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण	के बारे में बताते हुए विषय को अंग्रजी विषय के साथ जोडा जायेगा। वातावरण और विज्ञान से जुडे हुए वाक्यों द्वारा छात्रों को विज्ञान तथा वातावरण जैसे विषयों से जोडा जायेगा।
सहभागिता	अभ्यास कार्य करते हुए छात्र अपनी रचनात्मकता का विकास करेंगे। अपनी तरफ से उदाहरण देते हुए अपनी सोचने और विचार करने की शक्ति को दर्शाएगे। इस तरह वे अपनी जिज्ञासाओं का निवारण करेंगे।
पुनरावृत्ति	इसके लिए कुछ प्रश्न पूछे जायगे। 1. अर्थ के आधार पर वाक्य के कितने भेद है? 2. वाक्य के कितने भेद है?
सीखने के प्रत्फिल	छात्र वाक्य और उसके भेदों को अच्छी तरह से समझेगे। सार्थक वाक्य रचना में निपुण हो जायेगे। अर्थ के अधार पर वाक्य के आठ भेदों को समझ जायेगे।
मूल्यांकन	मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।
प्रकरण	संवाद लेखन
शिक्षण उददेश्य	1. भाषा पर पकड मजबूत करना। 2. भावाभिव्यक्ति का विकास करना। 3. शब्दावली का विकास करना।

पूर्व परीक्षण	छात्रों से निम्नलिखित प्रश्न पूछे जायेगे। 1. शब्द किसे कहते है? 2. शब्दों के मेल से क्या बनता है? 3. वाक्य किसे कहते है?
संसाधन	पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक
कार्य प्रणाली	संवाद की परिभाषा देते हुए विषय की व्याख्या की जाएगी। बीच–बीच संबंधित उदाहरण देते हुए विषय को समझाया जायेगा।
सहशैक्षणीक गतिविधियाँ	छात्रों को विभिन्न विषयों पर संवाद लिखने के लिए कहा जायेगा। तथा अपने संवाद की व्याखया करने के लिए कहा जायेगा। इससे वे विषय को अच्छी तरह से समझ सकेगे।
अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण	कला क्षेत्र के साथ विज्ञान, सामाजिक विष्यों से जोडा जायेगा।
सहभागिता	अभ्यास कार्य करते हुए छात्र अपनी रचनात्मकता का विकास करेंगे। अपनी तरफ से उदाहरण देते हुए अपनी सोचने और विचार करने की शक्ति को दर्शाएगे। इस तरह वे अपनी जिज्ञासाओं का निवारण करेंगे।
पुनरावृत्ति	इसके लिए कुछ प्रश्न पूछे जायेगे। 1. संवाद कैसे होने चाहिए? 2. संवाद कितने लोगों के बीच होता है? 3. संवाद लेखन में किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?
सीखने के प्रत्फिल	छात्र संवाद लेखन को समझेगे और स्वयं संवाद रचना में सक्षम होंगे।
मूल्यांकन	मौखिक एवं लिखित परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।